Hi'life

fashion
trends
lifestyle
hollywood
bollywood
television

दैनिक भास्कर

शनिवार, 01 जनवरी, 2011

मॉडलिंग की दुनिया में धूम मचाने वाली मुग्धा गोडसे ने बॉलीवुड में भी बिना किसी गॉडफादर के आख़िरकार अपनी पैठ बना ली है।

4 »

कमरदर्द, सरदर्द, जोड़ों का दर्द, शरीर की अकड़न
इन जानलेवा दर्दों से है अगर छुटकारा पाना
तो विको नारायणी को ही अपनाना

भास्कर समूह | 13 राज्य 51 संस्करण | मध्यप्रदेश . छत्तीसगढ़ . राजस्थान . हरियाणा . गुजरात . नई दिल्ली . उत्तराखंड . चंडीगढ़ . पंजाब . महाराष्ट्र . हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू-कश्मीर

नए साल की पहली सुबह का स्वागत है।

इस पूरे वर्ष में आपके ढेरों सपने पूरे होने वाले हैं। लेकिन कैसे? क्या आपने प्लानिंग की है? दरअसल, प्लानिंग सफलता की ओर ले जाने वाली राह है। यह बात कामयाब लोग अपने अनुभव से बख़ूबी जानते हैं। कुछ सफल और मशहूर सेलिब्रिटी बता रहे हैं, भोजन के मेनु से लेकर पूरे साल की प्लानिंग का तरीक़ा...

क्या है आपका नए साल का प्लान?

क्या बनाऊं का जवाब

एक दिन आधे घंटे बैठकर हफ़्तेभर का मेनु तय कर लें, तो 'क्या बनाऊं' की सिरदर्दी से मुक्ति मिलेगी...

– संजीव कपूर, जाने-माने शेफ़

मैं अपनी अब तक की सफलता में अपनी प्लानिंग को बहुत महत्वपूर्ण मानता हूं। 2011 मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण साल होगा। दरअसल, इस साल मैं अपना चैनल 'फूड-फूड' लांच कर रहा हूं, जिसकी रूपरेखा तैयार करने में इन दिनों व्यस्त हूं। 24 घंटे के इस चैनल में फूड से जुड़े सभी पहलू शामिल होंगे। सेहत के लिए फूड हो या मनोरंजन के साथ फूड, यात्रा व फूड, हक़ीक़त और फूड, लाइफ स्टाइल और फूड- यानी फूड को जीवन के हर पक्ष से जोड़कर हम पेश करेंगे।

कहना है आपसे : मैं देखता हूं किं अक्सर औरतें इस बात को लेकर बहुत परेशान रहतीं हैं कि शाम को क्या बनाऊं?

मीता पंडित, गायिका | जतिन कोचर, फ़ैशन डिज़ाइनर | संजीव कपूर, शेफ़

- जतिन कोचर, प्रसिद्ध फ़ैशन डिज़ाइनर

सभी रास्तों को एक बार आज़मा लेने के बाद मुझे पता चल जाता है कि आगे मुझे कैस रास्ते पर चलना है। कौन सा रास्ता रे लिए ठीक है। इससे भविष्य में मैं पना टाइम बचा सकूंगा। इसलिए रिसर्च र प्लानिंग को मैं बहुत महत्वपूर्ण मानता सन् 2011 के लिए मेरी योजना यही है मैं हेल्दी और फिट रहूं। इससे दिमाग़ ठीक रहेगा। काफी सारे प्लान क़तार में जो पूरे करने की कोशिश रहेगी। फ़ैशन हमेशा ही कुछ नया करने की कोशिश रहता हूं। चाहता हूं कि मैं फ़ैशन में कुछ ऐसा काम पेश करूं, जो हीं हुआ हो।

है आपसे : मोज़े पैरों में पहने जाते टोपी सिर पर पहनी जाती है, यदि का उल्टा करने की कोशिश करेंगे, ा समय ख़राब करेंगे। इसलिए पहले चीज़ों को देखना-समझना क बाद उसे अमल में लाना बहुत ज़रूरी है। पाठकों से कहूंगा कि ज़िंदगी को खूबसूरत बनाने के लिए दो बातों पर अमल करें- अपनी गलती पर माफ़ी मांगना सीखें और माफ़ करना सीखें।

साबित करना है

इस साल मैं यह साबित करना चाहती हूं कि मैं भी सफल बिज़नेस-वुमन बन सकती हूं...

- नफीसा अली, मशहूर अभिनेत्री और

नफ़ीसा अली, अभिनेत्री

समाज सेविका 2011 में मैंने अपने बच्चों से एक चैलेंज लिया है। मैंने अपना एक बुटीक़ खोला है। लेकिन मेरे बच्चों का कहना है कि चूंकि मैं हमेशा समाज सेवा के बारे में सोचती रहती हूं, इसलिए मैं बिज़नेस नहीं कर सकती। इस साल मैं यह साबित करना चाहती हूं कि मैं भी बिज़नेस कर सकती हूं, पैसा कमा सकती हूं। एक सफल बिज़नेस-वुमन बन सकती हूं। इसके अलावा अपने घर से जुड़े मुद्दों को प्लान करना है, बच्चों के भविष्य की उनकी अच्छी देखभाल को लेकर भी मुझे योजना बनानी हैं।

कहना है आपसे : हालांकि कई बार आप प्लानिंग के साथ किसी काम को करने के बावजूद असफल हो सकते हैं, लेकिन उसकी आशंका कम ही रहती है। जब आप योजना बनाते हैं, तो साथ में एक सपना भी होता है, जिसे पूरा करने की राह दिखती है। प्लानिंग से सही और ग़लत का फ़र्क़ भी पता चल जाता है।

छुट्टी बराबर बजट

सभी महत्वपूर्ण कामों को मोटे तौर पर मैं ज़रूर प्लान करती हूं- चाहे वह छुट्टियां हो या बजट...

– मीता पंडित, नामी शास्त्रीय गायिका

हम कलाकार लोग हैं। हमारे कार्यक्रमों के कैलेंडर तो बहुत पहले ही तय हो जाते हैं, लेकिन ज़िंदगी के सभी महत्वपूर्ण कामों को मोटे तौर पर मैं ज़रूर प्लान करती हूं- चाहे वह छुट्टियां हो या बजट। सन् 2011 की शुरुआत ही मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण तरीक़े से हो रही है। 14 जनवरी को हम एक बहुत भव्य कार्यक्रम ग्वालियर में कर रहे हैं। इस साल से हम अपने दादाजी पं. कृष्णराव शंकर पंडित के नाम से पुरस्कार देने जा रहे हैं। इसके अलावा संगीत के काफी कार्यक्रम हैं। इसके अलावा कुछ समय अपने लिए। अपनी सेहत व फिटनेस के लिए। फिर, कुछ समय छुट्टियां बिताने के लिए भी मैं प्लान करके रखती हूं।

शादी का इरादा...

इस साल मैं अपने करियर पर सबसे ज़्यादा ध्यान दूंगी। काफी समय से चिंतन-मनन के बाद मैं इस नतीजे पर पहुंची हूं कि बैनर, बजट, सेटअप और कैरेक्टर से भी महत्वपूर्ण होता है डायरेक्टर। इसलिए मैं इस साल डायरेक्टर को सबसे ज़्यादा ध्यान में रखकर फिल्में साइन करूंगी। इस साल शादी भी कर लूंगी। वैसे यह कोई रिजोल्यूशन नहीं है, बस इरादा-भर है।

- रानी मुखर्जी

कहना है आपसे : ज़िंदगी में मोटे तौर पर प्लानिंग बहुत ज़रूरी है। उसके बाद तो जिन विभिन्न परिस्थितियों से हम गुज़रते हैं, जिस प्रकार की स्थितियां हों, ज़िंदगी जिस फ्लो में आगे बढ़े, उसी के अनुरूप निर्णय लिए जाते हैं। पाठकों से कहूंगी कि जीवन में शांति बनी रहे इस ओर प्रयास करें।

एक के बाद आए दो

आप हर चीज़ को सिस्टम से प्लान करके चलते हैं, तो तय है कि आप निरंतर आगे बढ़ते जाते हैं...

– राहुल जैन, फ़ैशन डिज़ाइनर

जब मैंने एमबीए किया था, तब हमें सिखाया गया था कि जिस प्रकार एक के बाद दो और दो के बाद तीन और चार आता है, उसी प्रकार यदि आप हर चीज़ को सिस्टम से प्लान करके चलते हैं, तो आप निरंतर आगे बढ़ते जाते हैं। मैं अपनी एनर्जी को बचाकर रखता हूं। उसे बरबाद नहीं होने देता। उसका इस्तेमाल बहुत प्लानिंग से करता हूं। सन् 2011 हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम फ़ैशन सेक्टर में तो काम कर रहे हैं, लेकिन हमने जो आर्ट, फर्नीचर और लाइट के क्षेत्र में काम करना शुरू में जो भी प्रोजेक्ट हाथ में लेता हूं, पहले उसकी योजना बनाता हूं, ताकि चीज़ें सिस्टम से आगे बढ़ सकें। 2011 के लिए भी ख़ूब सारी प्लानिंग हैं। पहली तो यह कि इस साल ख़ूब पेंटिंग्स बनाऊं। एक अच्छा इंसान बनने की कोशिश जारी रखूं। कोई-न-कोई ऐसा काम करता रहूं, जिससे दूसरों का भला हो।

कहना है आपसे : जो लोग ज़िंदगी को प्लान करके नहीं चलते, उन्हें भी ज़िंदगी में कहीं-न-कहीं, किसी-न-किसी मोड़ पर प्लानिंग की कमी खलती है। लिहाज़ा बाद में वे योजना बनाते हैं। यह जीवन है... पता नहीं आने वाला वक़्त कैसा हो। इसलिए यदि आप अपनी ओर से प्लानिंग करके चलते हैं, तो इससे आने वाले वक़्त के लिए आपको रास्ते का खाका तैयार मिलता है। जीवन की एक राह नज़र आती है, जिस पर चलकर आगे बढ़ा जा सके।

प्रस्तुति : **रेणु खंतवाल** और **अनिल राही**
तस्वीरें : **भूपिंदर सिंह**